



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 119]
No. 119]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 15, 1978/ज्यैष्ठ 25, 1900
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 15, 1978/JYAISTHA 25, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जून, 1978

सं० एफ. 4(8)-अर्थ० एण्ड एम०/78:—6† प्रतिशत ऋण, 1993, 6½ प्रतिशत ऋण, 2001 और 6½ प्रतिशत ऋण, 2006 (दूसरा निर्गम) के लिए 1 जुलाई 1978 से अभिदान स्वीकार किये जाएंगे। अभिदान नकदी में या भारत सरकार के 4½ प्रतिशत ऋण, 1978 की प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किये जाएंगे। जैसे ही यह विधित होगा कि नकदी और परिवर्तन राशि के रूप में प्राप्त कुल अभिदान राशि अनुमानित 400 करोड़ रुपये (सकृदिक) तक पहुँच गयी है, बिना सूचना दिये, किन्तु किसी भी दशा में 3 जुलाई 1978 को कारोबार समाप्त होने से पूर्व, इन निर्गमों को बदल दिया जाएगा। सरकार को 400 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिदानों का रख लेने का अधिकार है। ५

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 440 करोड़ रुपये (सकृदिक) से अधिक हो तो नकदी में अभिदान करनेवालों का आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि नकदी में प्राप्त अभिदानों के सन्तुष्ट में आंशिक आबंटन किया जाता है तो आबंटन के बाद यथाशीघ्र आनुपातिक राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गई राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा। ५

3 रु० 100.25 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 1 जुलाई, 1993 का सममूल्य पर प्रतिदेय 6½ प्रतिशत ऋण, 1993—

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 1 जुलाई 1993 का सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100 00 (सकृदिक) का निर्गम मूल्य रु० 100 25 होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज-दर 1 जुलाई 1978 से वार्षिक 6½ प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 1 जनवरी और 1 जुलाई को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4 रु० 100 00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 1 जुलाई 2001 का सममूल्य पर प्रतिदेय 6½ प्रतिशत ऋण, 2001—

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 1 जुलाई 2001 का सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100 00 (सकृदिक) का निर्गम मूल्य रु० 100 00 होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज-दर 1 जुलाई 1978 से वार्षिक 6½ प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 1 जनवरी और 1 जुलाई को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

5 रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 15 मई 2006 का सममूल्य पर प्रतिदेय 6½ प्रतिशत ऋण, 2006 (दूसरा निर्गम)—

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 15 मई 2006 का सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज-दर 1 जुलाई 1978 से वार्षिक 6½ प्रतिशत होगी। 1 जुलाई से 14 नवंबर, 1978 तक (उस तारीख को भी मिलाकर) का ब्याज 15 नवंबर, 1978 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 15 मई और 15 नवंबर को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

परिवर्तन की शक्त

6. 4½ प्रतिशत ऋण, 1978 की प्रतिभूतियों को सममूल्य पर गये ऋणों में परिवर्तित करने के लिए स्वीकार किया जाएगा। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की गयी 4½ प्रतिशत ऋण, 1978 की प्रतिभूतियों पर वार्षिक 4½ प्रतिशत की दर पर 30 जून, 1978 तक (उस तारीख को भी मिलाकर) नयी प्रतिभूतियां जारी करते समय ब्याज अदा किया जाएगा।

यदि प्रस्तुत की गयी प्रतिभूतियों का नकदी मूल्य आवेदित नये ऋणों के प्रतिशत निर्गम मूल्य के ठीक ठीक गुणज में नहीं है तो नयी प्रतिभूतियां जारी करते समय प्रतिभूतियों को प्रस्तुत करनेवाला नकदी में उतनी राशि प्राप्त करेगा जिससे प्रस्तुत की गयी प्रतिभूतियों का मूल्य निर्गम मूल्य के निकटतम न्यूनतर गुणज से अधिक है।

पूरक व्यवस्थाएं

7. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, बंबई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित लोक ऋण कार्यालयों, भारत में जम्मू व काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में और जम्मू तथा श्रीनगर में स्थित केन्द्रीय सरकार के वेतन और लेखा कार्यालयों में ब्याज अदा किया जाएगा।

8. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जो कर-पात्र नहीं है या जिनपर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जो धारक कर-पात्र नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर-पात्र है वह जिसे के आय-कर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतर दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज अदा किया जाए।

9. अब जारी किये जानेवाले ऋणों पर और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 3,000 रुपये की सीमा तक और आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 80ठ के अन्य उपबंधों के अधीन आय-कर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य, इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों से किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निविष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी 1,50,000 रुपये की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी :

- (1) स्टाक, इसके आवेदकों को स्टाक प्रमाणपत्र दिये जाएंगे, या
- (2) बचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करे तो उसे बचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदन पत्र—ऋणों के लिए आवेदन पत्र रु० 100 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे :—

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में अन्य स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

14. आवेदन पत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक के पूरे नाम और पते तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता हो।

15. आवेदन पत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक या परिवर्तन के लिए स्वीकार्य ऋण की प्रतिभूतियों के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जानेवाले बैंक संबंधित बैंक के नाम अतिरिक्त होने चाहिए।

परिवर्तन के लिए प्रस्तुत प्रतिभूतियों के संग्रह में उसके धारक को चाहिए कि वह—

(1) स्टाक प्रमाणपत्रों के मामले में, प्रमाणपत्र के पीछे दिये गये अंतरण विलेख के फार्म पर किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर कर,

(2) बचनपत्रों के मामले में, उन्हें निम्न प्रकार पृष्ठांकित कर,
“भारत के राष्ट्रपति को अदा करे”

उन्हें सरकार को अंतरित कर दें।

16. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मोहरयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर गिये गये आबंटनों पर प्रति रु० 100 (संकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जाएगी।

दलाली की अदायगी के लिए दावा ऋण जारी किये जाने की तारीख से छ. महीने के भीतर अदायगी कार्यालयों में पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से
के० एन० राव, संयुक्त सचिव

आवेदन पत्र का फार्म

मे/हम इसके साथ रुपये
(पूरा/पूरे नाम)

नकदी* में रुपये के लिए चैक* रु० के
सांकेतिक मूल्य के भारत सरकार 4^औ प्रतिशत ऋण, 1978 की प्रतिभूतियां* प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें
वचनपत्र (पत्रों) × के रूप में रुपये के सांकेतिक मूल्य के 6^औ
स्टाक प्रमाणपत्र

प्रतिशत ऋण, 1993*/6-1/2 प्रतिशत ऋण, 2001*/e-3/4 प्रतिशत ऋण, 2006* (दूसरा निर्गम) की प्रतिभूतियां जारी की जाएं और उनका व्याज
..... में देय हो।

विशेष टिप्पणी: इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें। सारी प्रविष्टियां लोक ऋण
कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

	छोटे हस्ताक्षर	दिनांक
आवेदन पत्र सं०
'बलाली नहीं' मुहर
प्राप्त नकदी
चैक वसूल हुआ
विशेष बालू खाते में जमा किया गया
जांच की गयी
नकदी आवेदन-पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया
दलावी रजिस्टर में दर्ज किया गया
मांग पत्र सं०
प्रतिभूति सं०
काई सं०
..... को
वाउचर पारित किया गया

हस्ताक्षर
पूरा नाम
पता

दिनांक : जुलाई, 1978

टिप्पणी . (1) परिवर्तन के लिए प्रस्तुत प्रतिभूतियां यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदक के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ पुष्ठांकित
किया जाए, "भारत के राष्ट्रपति को अदा करें" और यदि स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो पीछे के अंतरण विवेक पर आवेदक किसी
साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करें।

(2) प्रत्येक ऋण, अभिवान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टॉक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए
अलग-अलग आवेदन किया जाए।

(3) यदि आवेदक के हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हों तो दो व्यक्ति उनके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे
नाम, व्यवसाय और पते बिये जाएं।

(4) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित वस्तावेज, यदि वे लोक ऋण
कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो, संलग्न किये जाएं:

(i) पंजीकरण/निगमन का प्रमाणपत्र।

(ii) निकाय/कंपनी का आपनपत्र और अतःनियम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।

(iii) निकाय/कंपनी की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेन देन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित
प्रतिलिपि।

(5) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूति प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें उसी माही व्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में
उपलब्ध) प्रावेश फार्म भी भरना चाहिए।

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

× रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1,000 रु० 5,000 रु० 10,000 रु० 25,000 रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में वचनपत्र
जारी किये जाएंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका उल्लेख यहाँ किया जाए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th June, 1978

No. F. 4(8)-W&M/78.—Subscriptions for the issues of 6-1/4 per cent Loan, 1993, 6-1/2 per cent Loan, 2001 and 6-3/4 per cent Loan, 2006 (Second Issue) will be received from the 1st July 1978. Subscriptions will be received in the form of cash or of securities of Government of India 4-3/4 per cent Loan, 1978 and the issues will be closed without notice as soon as it appears that the total subscriptions in cash and conversion amount approximately to Rs. 400 crores (Nominal) and in any case not later than the close of business on the 31st of July 1978. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of the sum of Rs. 400 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 440 crores (Nominal), partial allotment will be made to the subscribers in cash. If partial allotment is made in respect of subscriptions received in cash, a proportionate refund will be made as soon as possible after allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 6-1/4 per cent Loan, 1993 issued at Rs. 100.25 per cent and redeemable at par on the 1st July 1993.

(i) Date of repayment—The Loan will be repaid at par on the 1st of July 1993.

(ii) Issue Price—The Issue price will be Rs. 100.25 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 6 1/4 per cent per annum from 1st July 1978. Interest will be paid half yearly on the 1st January and 1st July. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-Tax Act, 1961.

4. 6-1/2 per cent Loan, 2001 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 1st July 2001.

(i) Date of repayment—The Loan will be repaid at par on the 1st of July 2001.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 6-1/2 per cent per annum from 1st July 1978. Interest will be paid half-yearly on the 1st January and 1st July. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-Tax Act, 1961.

5. 6-3/4 per cent Loan, 2006 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 15th May 2006.

(i) Date of repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th of May 2006.

(ii) Issue Price—The Issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 6-3/4 per cent per annum from 1st July 1978. Interest for the period 1st July to 14th November 1978 inclusive will be paid on 15th November 1978 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 15th May and 15th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-Tax Act, 1961.

CONVERSION TERMS

6. The securities of the 4-3/4 per cent Loan, 1978 will be accepted for conversion into the new loans at par. Interest on the securities of 4-3/4 per cent Loan, 1978 tendered for conversion will be paid at the rate of 4-3/4 per cent per annum upto and inclusive of 30th June 1978 at the time of issue of new securities.

If the cash value of the securities tendered is not an exact multiple of the issue price per cent of the new loans applied for, the tenderer will receive in cash at the time of the issue of the new securities, the amount by which the value of the securities tendered exceeds the nearest lower multiple of the issue price.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

7. Place of payment of interest—Interest on the loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna, at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim, and at the Central Government's Pay and Accounts Offices at Jammu and Srinagar.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

9. Interest on all the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 3,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth Tax Act will also be exempt from the Wealth Tax upto Rs. 1,50,000.

11. The securities will be issued in the form of—

(i) Stock, the applicants for which will be given Stock Certificates, or

(ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

12. Applications for the loans—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

13. Applications will be received at—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna; and

(b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

14. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

15. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque or securities of Loan which is acceptable for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government—

(i) in the case of Stock Certificates by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.

(ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below :—

“Pay to the President of India”.

16. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the paying offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,
K. N. ROW, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/We
[Full Name(s) in Block letters]

..... herewith
tender *Cash Rs. / *Cheque for Rs.
*Securities of Government of India 4½ per cent Loan, 1978 of the nominal value of Rs. and request
that securities of 6½ per cent Loan, 1993*/6½ per cent Loan, 2011*/6½ per cent Loan, 2006* (Second Issue) of the nominal value of
Rs. may be issued to me/us in the form of Promissory Note(s)†
Stock Certificate
interest to be payable at.....

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The
entries will be filled in by the Public Debt Office

	Initials	Date
Application No		
N.B. Stamp		
Cash received		
Cheque realised		
Credited to Special Current Account.....		
Examined		
Cash Applications Register posted.....		
Brokerage Register posted.....		
Indent No.....		
Scrip No.....		
Card No.....		
Voucher passed on.....		

Signature
Name in Full.....
(Block letters)

Address
.....
.....

Dated the of July 1978

NOTE :—(1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words "Pay to the President of India" over the signature of the applicant, if they are in the form of Promissory Notes, and the transfer deed on the back should be signed by him before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.

(2) Separate application should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the new Loan required.

(3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(4) If the application is made in the name of a registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—

(i) Certificate of Registration/Incorporation.

(ii) Memorandum and Articles of Association or certified copies of the Rules and Regulations/Bye-laws of the body/company.

(iii) Certified copy of resolution in favour of the person authorised to deal in Government securities on behalf of the body/company.

(5) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for transmission of half-yearly interest to them.

*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500 Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000 Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination required.

